कोविड-19 से प्रभावित अस्पताल में भर्ती मरीज़ों के परिवार और दोस्तों के लिये जानकारी

कोविड-19 छोटी मोटी बीमारियों से लेकर किसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है

आपके परिवार का कोई सदस्य या दोस्त कोविड -19 के कारण अस्पताल में इसलिए भर्ती
किया गया कि हम उसकी सांस की गति को मॉनिटर कर सकें। सांस लेने की लिए उन्हे ऑक्सीजन की सहायता लेनी पड़ सकती है। और कुछ मामलों में उन्हें सांस दिलाने वाली मशीन वेंटिलेटर पर रखा जा सकता है। यदि इसके अलावा कोई और लक्षण या सिम्पटम दिखाई पड़ते हैं तो हम उन पर भी निगाह रखेंगे। यहाँ आपको ये समझाने की कोशिश की गयी है कि ऐसे मरीज का इलाज किस तरह से किया जाएगा और मरीज को तथा आपको किस तरह की सहायता दी जाएगी।

मरीज का इलाज किस तरह किया जाएगा ?

बीमारी के लक्षणों के सीधे इलाज के साथ-साथ, यह भी ज़रूरी है कि मरीज को लगने वाले मानसिक आघात और सदमे को भी कम किया जाये। ये कार्य मरीज के लक्षणों के इलाज से किया जाता है।

- यदि उसे सांस लेने में कठिनाई हो रही है तो उसे शांत और आराम से रखने की कोशिश की जाएगी। लेकिन यदि उसकी हालत बिगड़ती है तो हमें उसे दवाई देनी होगी। ऐसी स्थिति में आमतौर पर मौरफ़ीन का प्रयोग किया जाएगा। मौरफ़ीन अक्सर दर्द को कम करने के लिए दी जाती है लेकिन यदि किसी को सांस लेने में कठिनाई हो रही है तो भी इसका प्रयोग किया जा सकता है।
- मौरफ़ीन के द्वारा खांसी के लक्षणों में भी आराम मिल सकता है।
- कोविड -19 के मरीज़ अक्सर चिंता या एंक्ज़ायटी के भी शिकार हो सकते है। इस स्थिति में उन्हें लोराज़ेपाम (Lorazepam) और मिडाज़ोलम (Midazolam) जैसी दवाएं दी जाती हैं।
- यदि मरीज़ को बुखार आता है तो उसे बेचैनी की शिकायत हो सकती है, ऐसे में पेरासीटामोल (Paracetamol) से उसे राहत दी जाती है।

मरीज को ज़रूरत पड़ने पर ये सभी दवाएं नियमित रूप से दी जाएंगी। ये दवाएं ज़रूरत के अनुसार इंजेक्शन से भी दी जा सकती हैं। ये इंजेक्शन नसों में या फिर त्वचा या स्किन में भी दिया जा सकता है।

कुछ ज़्यादा गंभीर मामलों में, कोविड – 19 वायरस फेफड़ों को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। फेफड़े सामान्य रूप से काम करना बंद कर देते हैं। ऐसी स्थिति में फेफड़ों में सांस पहुंचाने और उसे बाहर निकालने के लिए वेंटिलेटर का प्रयोग किया जा सकता है। ये वेंटिलेटर कई दिन तक लगाना पड़ सकता है, जब तक कि फेफड़े दोबारा सामान्य गति से काम न करने लगें।

मरीज से संबन्धित फैसले कैसे लिए जाते हैं

ऐसी स्थिति में मेडिकल टीम को, बिना समय गँवाए, मरीज़ के परिवार और मित्रों को दी जाने वाली सहायता के बारे में कुछ मुश्किल फैसले करने पड़ सकते हैं। उदाहरण के लिए, मरीज को वेंटीलेशन कब दिया जाये या फिर यदि उसके दिल की धड़कन रुक जाती है तो दिल की गति को दोबारा से कब चलाया जाये।

इस बारे में मरीज के परिवार अथवा दोस्तों में यदि कोई विचार विमर्श हुआ है तो कृपया इन विचारों को मेडिकल टीम को भी बता दें। यदि आप तय कर पाने की स्थिति में नहीं हैं तो आप मेडिकल टीम के किसी सदस्य से बात कर सकते हैं। इस तरह की बातचीत आपको टेलीफ़ोन पर करनी पड़ सकती है। हम जानते हैं कि ये आपके लिए मुश्किल होगा।

कृपया मेडिकल टीम से बात करते समय उसे संपर्क के लिए अपना टेलीफ़ोन नंबर देना न भूलें और वार्ड स्टाफ को ये बताना भी ज़रूरी है कि ज़रूरत होने पर वो आपको कैसे संपर्क कर सकते हैं।

मेडिकल टीम से संपर्क कैसे करें ?

कोविड – 19 के इस संकट के दौरान अस्पताल के भीतर और बाहर एक दूसरे से दूरी बनाए रखने के लिए कठोर नियम बनाए गए हैं। इसका मतलब है कि आप मरीज के पास नहीं जा सकेंगे। यदि आपको अस्पताल जाने की ज़रूरत पड़ी तो आपको व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण पहनने होंगे। इन्हें PPE भी कहा जाता है, जैसे कि आपको फेस मास्क लगाना होगा। जहां भी संभव होगा वार्ड स्टाफ टेलीफ़ोन या विडियो कॉल से आपके मरीज के साथ आपका संपर्क करवाने का प्रयास करेंगे।

क्या मुझे अतिरिक्त सहायता मिल सकती है?

हम जानते हैं कि ये एक मुश्किल समय है। आप कैसा महसूस कर रहे हैं आप इस बारे में बात करना चाहते हैं। आप वार्ड स्टाफ के किसी सदस्य से बात करके ये जान सकते हैं कि आपको नीचे लिखी कौन सी सेवा और सहायता मिल सकती हैं।

स्थानीय अस्पताल में उपलब्ध सेवाओं और सहायताओं की सूची

LEFT BLANK FOR HOSPITALS TO ADD DETAILS

ये सूचना सिसली सॉन्डर्स इंस्टीट्यूट, किंग्स कॉलेज, लंदन की डॉ सबरीना बाजवा द्वारा प्रस्तुत की गयी है। इस जानकारी को जुटाने के लिए अनेक सहयोगियों और मरीज़ और उनकी देखभाल करने वाले संगठनों की भी सहायता ली गयी है। इसे ERJ एडिटोरियल "Managing the supportive care needs of those affected with COVID-19" के साथ प्रयोग मैं लाया जाएगा। सम्पादन : एस बाजवा, ए विलकोक, आर टावर्स, एम कोस्टंटिनी, सी बौस्वीन, एज़ टी साइमन, ई बैंडस्ट्रप, डब्लू प्रेण्टीस, एम जे जॉन्सन, डी सी करो, एम क्रूटर, ए यू वेल्स, , एस एस बिरिंग, पी एडमोंड्स, आइ जे हिगिन्सन। 2020 Managing the supportive care needs of those affected by COVID-19. ERJ **https://doi.org/10.1183/13993003.00815-2020** ,
अप्रैल 2020 में प्रकाशित